रजिस्ट्री सं॰ डी॰ एल॰-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 627] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 16, 2003/आषाढ़ 25, 1925
No. 627] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 16, 2003/ASADHA 25, 1925

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 2003

का.आ. 809(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, भारत के असाधारण राजपत्र भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 20 फरवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 19 फरवरी, 2003 की अधिसूचना सं0 का0 आ0 205(ई) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और उक्त राजपत्र 26 मार्च, 2003 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा उक्त स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

तथा मंदिर के उत्खनित अवशेषों का स्थल मानचित्र, पल्लावनश्वरम्, मैलैयूर, कावेरीपट्टिनम, तालुक - सिरकाझी, जिला-नागापट्टिनम

संरक्षण के लिए **प्रस्तावित क्षेत्र** —·—·—·—

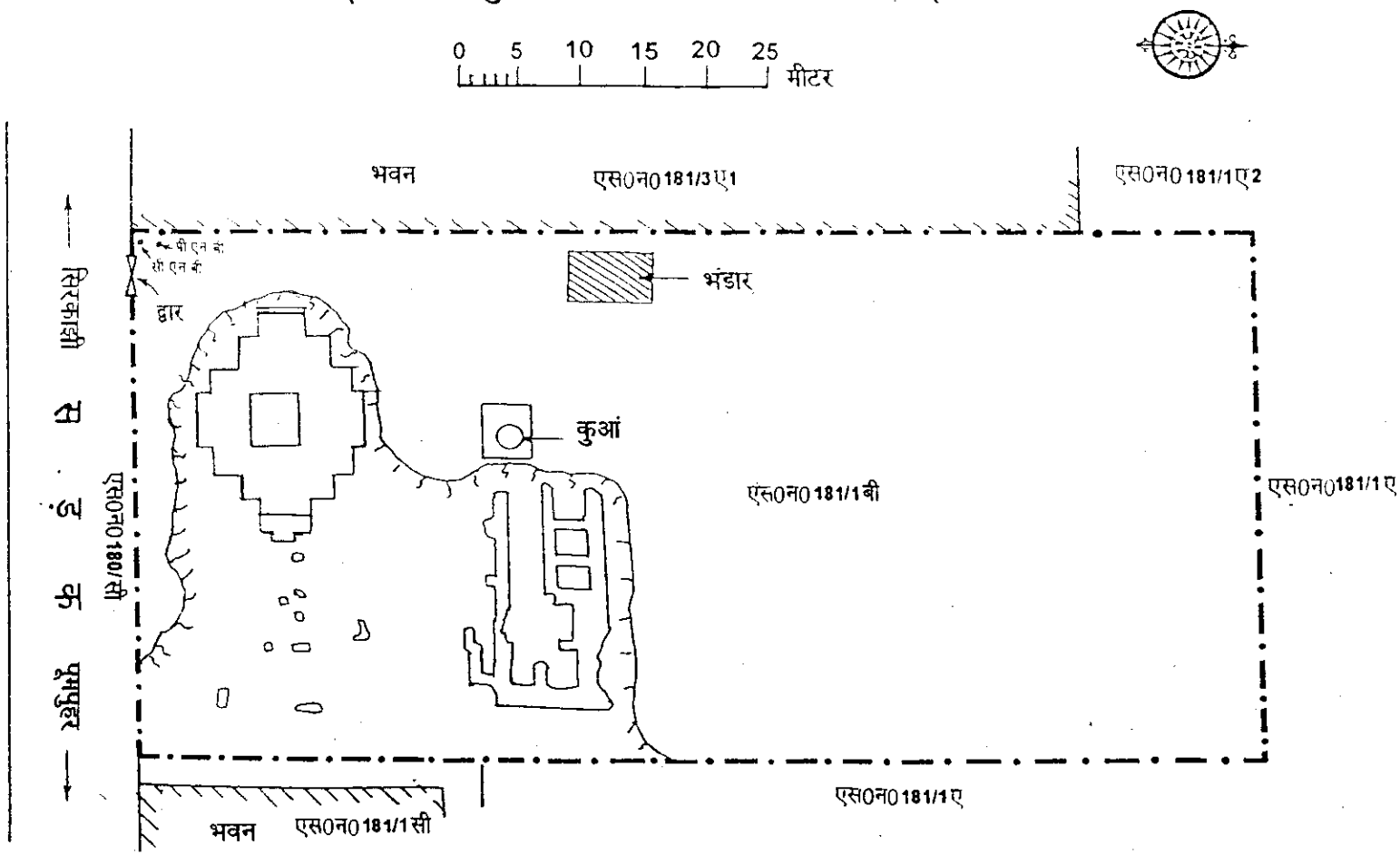

अनुसूची

स्मारक/स्थल का नाम	स्थान	तालुक	जिला	सर्वेक्षण सं.	क्षेत्रफल	सीमाएं	स्वामित्व
पल्लवनेस्वरम् स्थित बौद्ध विहार एवं मन्दिर के उत्खनित अवशेष	मेलाईयुर	सिरकाजी	नागापट्टनम	181/1बी	0.405 हैक्टेअर अथवा 1.03 एकड़	उत्तर:सर्वेक्षण सं.181/1ए पूर्व: सर्वेक्षण सं. 181/1ए, 181/1सी दक्षिण: सर्वेक्षण सं. 180/सी, सड़क पश्चिम: सर्वेक्षण सं. 181/3ए 1, 181/1ए 2 (मकान)	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

[फा. सं. 2-17/2001-एम.]

गौरी चटर्जी, महानिदेशक एवं अपर सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE

(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th July, 2003

S.O. 809(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O.205 (E) dated the 19th February, 2003 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii) on the 20th February, 2003, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

And, whereas, the copies of the said Gazette was made available to the public on 26th day of March, 2003;

And whereas no objection from the public have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

SITE PLAN OF EXCAVATED REMAINS OF BUDDHIST VIHARA AND TEMPLE AT PALLAVANESWARAM, MELAIYUR, KAVERIPATTINAM, TALUK - SIRKAZHI, DISTRICT-NAGAPPATTINAM.

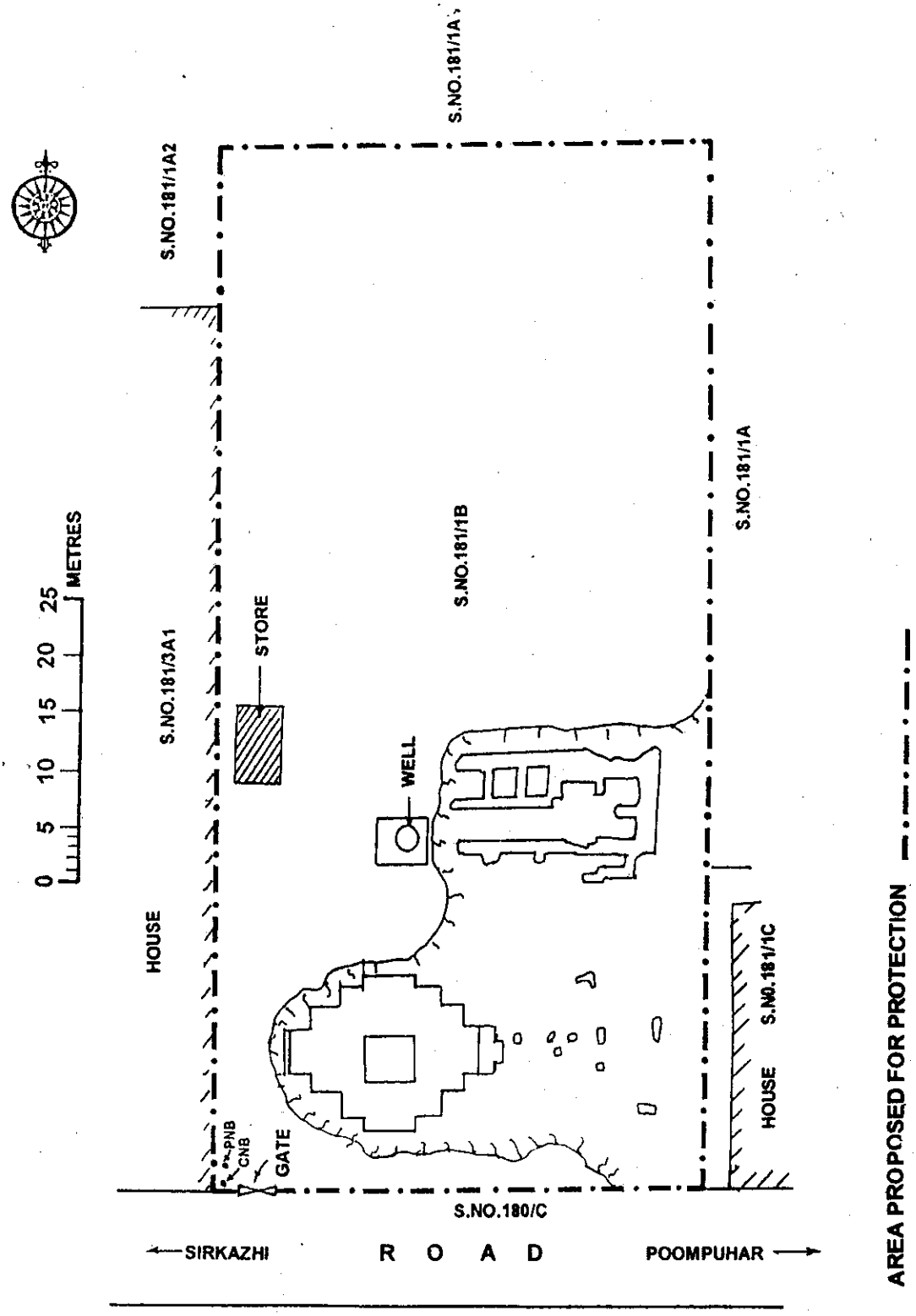

SCHEDULE

Name of the Monument / Site	Locality	Taluk	District	Survey No.	Extent	Boundaries	Ownership
Excavated Remains of Buddhist Vihara and Temple at Pallavaneswaram.	Melaiyur	Sirkazhi	Nagapattinam	181/1B	0.405 Hectre or 1.03 Acres	North: S.No 181/1A East : S.No.181/1A, 181/1C. South: S.No.180/C, Road, West : S.No.181/3A 1, 181/1A2 (House)	Archaeological Survey of India

[F. No. 2-17/2001-M]

GAURI CHATTERJI, Director General & Addl. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.